व्यावसायिक प्रशिक्षकों की बैठक में 69 वीटी जुटे, मानदेय बढ़ाने और स्थायी जॉब पॉलिसी की मांग

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री को राखी के साथ भेजा मांग-पत्र

» 10 साल से स्कूलों में दे रहे कौशल आधारित शिक्षा, मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत नवीन व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े व्यावसायिक प्रशिक्षकों की रविवार को ऑफलाइन बैठक हुई। इसमें बैतूल जिले के विभिन्न ब्लॉकों से 69 व्यावसायिक प्रशिक्षक शामिल हुए।

बैठक में करीब 10 वर्षों से शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा दे रहे प्रशिक्षकों की समस्याओं और लंबित मांगों पर चर्चा की गई। बैठक में रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखी के साथ मांग-पत्र भेजने की पहल पर भी चर्चा हुई। प्रशिक्षकों ने कहा कि वर्तमान में उन्हें करीब ?20 हजार मासिक मानदेय पर काम कराया जा रहा है, जो मौजूदा महंगाई के हिसाब से काफी कम है। उन्होंने मानदेय बढ़ाकर कम से कम ?38,600 से 40 हजार करने, प्रतिवर्ष वेतनवृद्धि देने और आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त कर स्थायी जॉब पॉलिसी लागू करने की मांग रखी। इसके साथ ही प्रशिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग से सीधे मानदेय भुगतान, आवश्यक सेवा सुविधाएं, सवैतनिक मातृत्व अवकाश और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। प्रशिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा देकर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षक संघ बैतूल के जिला अध्यक्ष कृष्णा सूर्यवंशी ने कहा कि प्रशिक्षकों की सभी मांगें जायज हैं। महंगाई को देखते हुए मानदेय में वृद्धि जरूरी है। वर्तमान 20 हजार का वेतन पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक प्रशिक्षकों का प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। बैठक में 69 प्रशिक्षकों की उपस्थिति को संगठन की एकजुटता के रूप में देखा गया।

संत रविदास जयंती पर समरसता संकल्प यात्रा पहुंची सावलमेंढा

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 30 अगस्त को मुलताई से रवाना होकर आठनेर, हिड़ली होते हुए सावलमेंढा पहुंची। यहां गाजे-बाजे के साथ यात्रा का स्वागत किया गया और स्थानीय मंदिरों का भ्रमण कर रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक बंधुओं, संत रविदास समाज के अनुयायियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

यात्रा के माध्यम से संत रविदास जी के सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया जा रहा है। 31 अगस्त से यात्रा गुदगांव, भैंसदेही, रतनपुर, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए 10 सितंबर को बैतूल में समाप्त होगी। इस दौरान रविदास मंदिरों में आरती, गुरु वाणी पाठ, भजन-कीर्तन, सत्संग, समरसता संकल्प एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही मंदिर परिसरों में स्वच्छता और आवश्यक विकास कार्य भी किए जाएंगे।

साइकिल को बना दिया मोटरसाइकिल, थर्माकोल से गढ़ा ताजमहल; जुनून ऐसा कि कबाड़ भी बन जाता है कलाकृति

रिफाइनरी के सामान्य कर्मचारी 'चुनमुन' की असाधारण दुनिया- कभी चित्रकार, कभी मूर्तिकार तो कभी इतिहास को मॉडल में उतारने वाला कलाकार

पीपुल्स प्रवक्ता बीना।

हुनर किसी पहचान का मोहताज नहीं होता और जुनून के सामने साधनों की कमी भी छोटी पड़ जाती है। बीना में रहने वाले 50 वर्षीय गजानन अहिरवार 'चुनमुन' इसकी मिसाल हैं। रिफाइनरी में सामान्य कर्मचारी के रूप में काम करने वाले चुनमुन जब अपने काम से बाहर निकलते हैं तो उनके हाथों में नौकरी के औजार नहीं, बल्कि कल्पना, कला और सृजन की दुनिया होती है। कभी वे चित्र बनाते हैं, कभी महापुरुषों की प्रतिमाएं तैयार करते हैं, कभी थर्माकोल से ऐतिहासिक इमारतों के मॉडल बनाते हैं और कभी साधारण साइकिल को इस तरह बदल देते हैं कि सड़क पर निकलते ही लोग मुड़कर देखने लगते हैं।

सड़क पर निकलती है तो लोग रुककर देखते हैं साइकिल: चुनमुन की साइकिल अब सिर्फ साइकिल नहीं रही। उन्होंने अपनी कल्पना और मेहनत से उसे मोटरसाइकिल जैसा रूप दे दिया है। बीना की सड़कों पर जब उनकी यह अनोखी साइकिल निकलती है तो राहगीरों की नजरें उस पर टिक जाती हैं। यह अनोखी साइकिल चुनमुन की रचनात्मक सोच का चलता-फिरता उदाहरण है।

शादी के दरवाजे पर लिखी इबारत में भी दिखता है हुनर: शादी-विवाह के अवसर पर घर के दरवाजे पर वर-वधू और विवाह संबंधी जानकारी लिखने का काम भी चुनमुन करते हैं। कई बार उन्हें इसके बदले मेहनताना मिल जाता है, लेकिन कई अवसरों पर वे बिना पैसे लिए ही अपनी कला से लोगों का काम कर देते हैं। उनके लिए कला सिर्फ कमाई नहीं, बल्कि लोगों के काम आने का जरिया भी है।

मां के दिए सिक्कों से शुरू हुआ सफर, अब कई देशों तक पहुंचा संग्रह: चुनमुन का एक और शौक बेहद अनोखा है—पुराने सिक्कों और नोटों का संग्रह। उनके संग्रह में ब्रिटिश काल के सिक्कों के साथ नेपाल, सऊदी अरब, ओमान, अमेरिका, चीन, कोरिया, श्रीलंका, रूस, भूटान, पाकिस्तान और तेलंगाना सहित विभिन्न देशों व क्षेत्रों के सिक्के और नोट शामिल हैं। इस संग्रह की शुरुआत भी भावनाओं से जुड़ी है। उनकी मां ने उन्हें कुछ पुराने सिक्के दिए थे। इनमें कुछ चांदी के सिक्के भी थे। मां से मिले इन सिक्कों ने उनके भीतर संग्रह करने की रुचि को जन्म दिया और देखते ही देखते यह शौक एक अनोखे संग्रह में बदल गया।

थर्माकोल में उतारा ताजमहल, बनाया सांची स्तूप: चुनमुन की कल्पना की कोई सीमा नहीं। जिस थर्माकोल को लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, उसी से उन्होंने ताजमहल और सांची स्तूप सहित कई ऐतिहासिक इमारतों के मॉडल तैयार किए। समय के साथ उनकी कई कलाकृतियां नष्ट हो गईं, लेकिन उनकी तस्वीरें आज भी उनके हुनर की गवाही देती हैं।

रेलवे से जुड़ा लगाव भी कला में दिखा, बना डाला इंजन और डिब्बा: रेलवे से जुड़े अपने जीवन को भी चुनमुन ने कला का रूप दे दिया। उन्होंने रेलवे इंजन के साथ डिब्बे का मॉडल तैयार किया है। इसकी बारीकी और बनावट ऐसी है कि पहली नजर में यह किसी खिलौने से कहीं ज्यादा वास्तविक रेलवे इंजन जैसा नजर आता है। इसे देखने वाला उनके हुनर की तारीफ किए बिना नहीं रह सकता।

महापुरुषों की प्रतिमाओं से लेकर चित्रकारी तक: चुनमुन सिर्फ मॉडल बनाने तक सीमित नहीं हैं। वे चित्रकारी करते हैं, महापुरुषों की मूर्तियां बनाते हैं और अलग-अलग कलात्मक प्रयोग करते रहते हैं। उनकी खासियत यह है कि वे किसी एक कला तक बंधकर नहीं रहते। उन्हें जो चीज आकर्षित करती है, उसे अपनी कल्पना के अनुसार नया रूप देने में जुट जाते हैं।

एक कर्मचारी के भीतर छिपा है कलाकार: रिफाइनरी की नौकरी करने वाला एक सामान्य कर्मचारी बाहर से भले ही सामान्य दिखाई दे, लेकिन चुनमुन की दुनिया बताती है कि उनके भीतर एक ऐसा कलाकार है जो हर वस्तु में कुछ नया तलाशता है। जहां दूसरे लोगों को बेकार सामग्री दिखाई देती है, वहां चुनमुन को कलाकृति नजर आती है। जहां लोग पुराना सिक्का देखते हैं, वहां वे इतिहास तलाशते हैं और जहां सामान्य साइकिल दिखाई देती है, वहां वे अपनी कल्पना से मोटरसाइकिल खड़ी कर देते हैं।

अभाव' में भी रच रहे 'प्रभाव: चुनमुन की कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है।

उज्जैन में जहां बिजनेसमैन का मर्डर, वहीं लेकर पहुंची पुलिस हॉर्न बजाने पर मारे थे चाकू

पीपुल्स प्रवक्ता उज्जैन।

उज्जैन के दमदमा क्षेत्र में ट्रैक्टर एजेंसी संचालक की हत्या करने वाले तीन आरोपियों आयुष उर्फ संटू, आकाश रायकवार और आयुष शर्मा का पुलिस ने रविवार दोपहर जुलूस निकाला। माधव नगर थाना पुलिस तीनों आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची। यहां से तरणताल तक पुलिस ने आरोपियों की जमकर पिटाई की। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोपी कान पकड़कर और हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए।

इससे पहले शनिवार को भी पुलिस ने चार आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सबक सिखाया था। ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी यश पिता विजय नारायण मित्तल (27) चिमनगंज मंडी में ट्रैक्टर शोरूम संचालित करता था। यश अपने दोस्तों के साथ कार से जा रहा था। इसी दौरान दमदमा मोड़ के पास आयुष शर्मा, विजय सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, आकाश, करण, सागर और शेंटू कुछ युवक गाड़ी लेकर खड़े थे। यश और उसके दोस्तों ने रास्ते से हटने के लिए हॉर्न बजाया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर युवकों ने यश और उसके दोस्तों अभय व्यास व मंगल पर हमला कर दिया। हमले में यश की मौत हो गई थी। शनिवार को भी पुलिस ने 4 आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सबक सिखाया था। शनिवार को भी पुलिस ने 4 आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सबक सिखाया था। माधव नगर थाना पुलिस ने घटना के बाद ही आरोपी विजय पिता नारायण सिंह ठाकुर (29), करण पिता राजेश गाठिया (21), विशाल पिता नारायण सिंह ठाकुर (32) और सागर पिता रतन सिंह तनोरिया (31) को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद शनिवार को चारों आरोपियों का जुलूस निकाला गया था। इधर, बचे तीन आरोपियों को लेकर पुलिस रविवार को घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों की जमकर पिटाई की। आरोपी कान पकड़कर और हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए। माधव नगर थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया ने बताया कि युवक की हत्या के मामले में कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार को तीन आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर आए थे। पुलिस के अनुसार, इस दौरान आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद उन्हें सबक सिखाया गया।

हॉर्न बजाने पर ट्रैक्टर एजेंसी मालिक का मर्डर: मध्य प्रदेश के उज्जैन के दमदमा में रास्ते से हटने के लिए हॉर्न बजाने पर 8-9 बदमाशों ने ट्रैक्टर एजेंसी मालिक को चाकू गोदकर मार डाला। 2 साथियों पर भी हमला किया, जिससे वे घायल हैं। पुलिस ने 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

पंचामृत अभिषेक के बाद भांग, त्रिशूल, त्रिपुंड और सुगंधित पुष्पों से बाबा का दिव्य श्रृंगार

पीपुल्स प्रवक्ता उज्जैन।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया।

भगवान महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुंड और डमरू के साथ भांग अर्पित कर श्रृंगार किया गया। हरि ओम का जल अर्पित करने और कपूर आरती के बाद भगवान का श्रृंगार पूरा किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढंककर भस्म अर्पित की गई। भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों से बनी माला धारण कराई गई। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्पों से भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित किए जाने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

ध्यानचंद जयंती पर आरपीएफ ग्राउंड में हॉकी का रोमांच, सद्भावना मैच 2-2 से बराबर

सीनियर-जूनियर खिलाड़ियों ने मैदान पर दिखाया दमखम, खेल भावना ने जीता दिल मैच के बाद सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर किया सम्मानित

राजेश बबेले

पीपुल्स प्रवक्ता बीना।

हॉकी के जादूगर और महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आरपीएफ ग्राउंड में हॉकी का रोमांच देखने को मिला। नेशनल स्पोर्ट्स हॉकी क्लब बीना के तत्वावधान में आयोजित सद्भावना हॉकी मैच में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ मैदान संभाला। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली और निर्धारित समय तक दोनों टीमों ने 2-2 गोल किए। इस तरह मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था, वहीं मौजूद खेल प्रेमियों ने भी उनका उत्साहवर्धन किया। मैच में रेफरी की भूमिका मंगेश रजक ने निभाई।

मेजर ध्यानचंद को नमन कर हुआ आयोजन का शुभारंभ: कार्यक्रम की शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय, पार्षद एवं सभापति भारती राय, पार्षद राजकुमारी ठाकुर, महामंत्री आलेख राय, नंदकिशोर चौधरी, संजीव बोथ, हरिओम चौबे, नवीन साहू, राजा बाबू यादव, राकेश सेन, प्रदीप तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद अतिथियों ने मैदान पर पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उत्साहवर्धन किया।

खेल युवाओं में अनुशासन और टीम भावना पैदा करते हैं:उपाध्याय: भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मेजर ध्यानचंद देश के महानतम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने अपने अद्भुत खेल कौशल से भारत को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। उनकी जयंती पर हॉकी जैसे खेलों के आयोजन युवाओं और बच्चों को खेलों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच भी विकसित होती है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को मेजर ध्यानचंद जैसे महान खिलाड़ियों से प्रेरणा मिलती है। नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों और युवाओं को खेलों के लिए बेहतर अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

मैच के बाद हर खिलाड़ी के चेहरे पर दिखी खुशी: रोमांचक मुकाबले के बाद मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के अभिभावक और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। मेडल मिलने के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई।

डेढ़ साल से बच्चों को निःशुल्क हॉकी सिखा रहा क्लब: इस आयोजन की खास बात यह रही कि नेशनल स्पोर्ट्स हॉकी क्लब बीना पिछले करीब डेढ़ वर्ष से शहर के बच्चों और बच्चियों को हॉकी का प्रशिक्षण दे रहा है। क्लब के कोच मंगेश रजक बच्चों को बिना किसी शुल्क के हॉकी प्रशिक्षण दे रहे हैं। जरूरतमंद खिलाड़ियों को हॉकी की आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने में भी वे लगातार सहयोग करते हैं। ऐसे में यह क्लब बीना में हॉकी की नई प्रतिभाओं को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सद्भावना मैच जैसे आयोजन बच्चों को प्रतिस्पर्धी माहौल के साथ-साथ खेल भावना और आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर भी दे रहे हैं।

इन जूनियर-सिनियर खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा: सद्भावना हॉकी मैच में खुशी चौहान, राजवीर रजक, दिव्यांश रजक, निर्भय रजक, प्राची कुशवाहा, हर्ष कुशवाहा, गोरी, राधा, रिहान, शोम तिवारी, रोशन, अर्णव, चरणजीत, इब्राहिम, कार्तिक, आदि कैथोरिया, आदि खटीक, मानवी, दक्ष, अनिकेत, जयशंकर टोटे, जयश्री और पीहू मीणा सहित अन्य खिलाड़ियों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समिति सदस्यों ने *संभाली आयोजन की जिम्मेदारी: कार्यक्रम को सफल बनाने में आरके बरेठिया, वाल्टर डेविड, नारायण पंडित, जीवन राय, असलम शेख, बंटी कैथोरिया, मोंटी कैथोरिया, अमित कैथोरिया, सतीश, राहुल, विशाल और प्रकाश यादव सहित समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

खेल भावना बनी आयोजन की सबसे बड़ी जीत: भले ही सद्भावना मैच का परिणाम 2-2 की बराबरी पर रहा, लेकिन मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह, अनुशासन और खेल भावना इस आयोजन की सबसे बड़ी जीत रही। मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हुए इस आयोजन ने बीना में हॉकी की नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और बच्चों को खेलों से जोड़ने का संदेश दिया।

किरगी जल प्रदाय योजना में ठेकेदार की हिटलरशाही बदस्तूर जारी

» हक मांगने पर आदिवासी पंप ऑपरेटरों को बनाया बंधक

» कोरे स्टांप व नोटरी पर कराए जबरन हस्ताक्षर

बिलाल अहमद

पीपुल्स प्रवक्ता अनूपपुर।

किरगी जल प्रदाय योजना में कार्यरत आदिवासी श्रमिकों द्वारा न्यूनतम मजदूरी, बकाया वेतन और पीएफ की मांग करने पर कंपनी प्रबंधन द्वारा उन्हें बंधक बनाकर डराने-धमकाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि 29 अगस्त को कार्यालय में 9 आदिवासी पंप ऑपरेटरों को कई घंटों तक बंधक रखकर ?50 के स्टांप पेपर एवं अन्य दस्तावेजों पर जबरन दस्तखत कराए गए है। नौकरी से निकालने की धमकी देकर मनमाने तरीके से नोटरी कराने की तैयारी की जा रही थी जिसमें 2 पंप ऑपरेटरो के जबरन हस्ताक्षर करवाए गए है, जिसे लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की गुहार लगाई गई है।मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत राजेंद्रग्राम क्षेत्र में किरगी जल प्रदाय योजना के तहत वर्ष 2018 से सेवाएं दे रहे आदिवासी श्रमिकों का शोषण लगातार गहराता जा रहा है। जब श्रमिकों ने संगठित होकर अपने विधिक अधिकारों, न्यूनतम वेतन और ओवरटाइम भुगतान के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिया, तो निजी कंपनी के जिम्मेदारों ने वैधानिक समाधान निकालने के बजाय दमनकारी रास्ता अख्तियार कर लिया है। 29 अगस्त 2026 को दोपहर 1 से 4 बजे के बीच श्रमिकों को योजना कार्यालय में बुलाकर कमरे में बंधक जैसी स्थिति में रखा गया। आरोप है कि प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने कमजोर आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि का फायदा उठाकर दबाव बनाया और नौकरी छीनने का भय दिखाकर सादे स्टांप पर हस्ताक्षर करवाए है। इस सुनियोजित कृत्य के जरिए कंपनी भविष्य में श्रमिकों की आवाज दबाने और जाली दस्तावेज तैयार करने की फिराक में है, जिससे पूरे क्षेत्र और मजदूर संगठन में रोष व्याप्त है।

हक की मांग पर दफ्तर में बंधक बनाकर डराने का आरोप: किरगी जल प्रदाय योजना में वर्षों से सेवा दे रहे 9 आदिवासी श्रमिकों ने जब अपने बकाया वेतन और न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, तो उन्हें समाधान देने के बजाय प्रताड़ित किया गया है। 29 अगस्त को दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक उन्हें किरगी कार्यालय में जबरन रोककर रखा गया था। अधिकारियों ने बंद कमरे में दबाव बनाते हुए स्पष्ट धमकी दी कि यदि उन्होंने विरोध बंद नहीं किया तो उन्हें तत्काल नौकरी से बेदखल कर दिया जाएगा।

50 के स्टांप पेपर पर जबरन हस्ताक्षर और नोटरी करवा कूटरचना की आशंका: कार्यालय में बंधक बनाए गए श्रमिकों से बिना किसी विधिक प्रक्रिया और सहमति के ?50 के स्टांप पेपर तथा पीएफ दस्तावेजों पर जबरिया दस्तखत करवाए गए है। श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें इन कागजातों की सामग्री पढ़ने तक नहीं दी गई है। उन्हें गंभीर अंदेशा है कि इन हस्ताक्षरित स्टांप पेपरों पर कंपनी मनगढ़ंत शर्तें जोड़कर कूटरचित अनुबंध या घोषणा पत्र तैयार करेगी, जिससे भविष्य में उनके वैधानिक श्रम अधिकारों का पूरी तरह हनन हो जाएगा।

गैरकानूनी तरीके से नोटरी कराने की तैयारी में निजी कंपनी: शिकायत में यह बड़ा खुलासा हुआ है कि श्रमिकों से दबाव में लिए गए हस्ताक्षरों के आधार पर कंपनी प्रबंधन अब अवैध तरीके से जबरन दबाव डाल कर नोटरी करवाने के प्रयास में जुटा है जिसमें 2 पंप ऑपरेटरो से अभी तक दबाव में हस्ताक्षर करवा लिए गए है। बिना श्रमिकों की उपस्थिति और स्वतंत्र सहमति के इन दस्तावेजों को कानूनी जामा पहनाने की साजिश रची जा रही है। पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि किसी भी प्रकार की फर्जी नोटरी और छेड़छाड़ की निष्पक्ष जांच हो तथा मूल स्टांप पेपर को तुरंत जब्त किया जाए।

आदिवासी श्रमिकों की मजबूरी का फायदा उठाकर दोहरा शोषण: पीड़ित पंप ऑपरेटर अनुसूचित जनजाति (स्त्र) वर्ग से आते हैं और बेहद कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से संघर्ष कर रहे हैं। ठेकेदार कंपनी प्रबंधन द्वारा उनकी इसी लाचारी का अनुचित लाभ उठाया जा रहा है। श्रमिकों का कहना है कि उनकी जातिगत और सामाजिक स्थिति को निशाना बनाकर लगातार अपमानित किया गया और डराया-धमकाया गया है। इस मामले में पुलिस से मांग की गई है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी सख्त जांच की जाए और कार्यवाही की जाए।

पुलिस से एफआईआर, मूल दस्तावेज जब्ती और सुरक्षा की मांग: श्रमिकों ने राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी को विस्तृत लिखित आवेदन सौंपकर बीएनएस (क्व्हस) और संबंधित श्रम कानूनों के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पीड़ितों ने जबरन हस्ताक्षरित ?50 के मूल स्टांप पेपर को तुरंत पुलिस अभिरक्षा में लेने और सभी श्रमिकों के पृथक बयान दर्ज करने का आग्रह किया है। साथ ही शिकायत के बाद कंपनी या ठेकेदार द्वारा काम से निकाले जाने और अन्य प्रताड़ना से विधिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।